शैक्षिक सत्र–2026–27
(32) ट्रेड–इम्ब्राइडरी
(कक्षा– 12)

उद्देश्य–

1–विभिन्न प्रकार की यन्त्र कलाओं में प्रयोग किये जाने वाले उपकरणों, साज–सामानों एवं सहायक सामग्री को चुनने में।

2–साज–सामान के रख–रखाव एवं उपयोग से सम्बन्धित कौशल के विकास में।

3–उपलब्ध स्रोतों के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करने में।

4–हस्त कढ़ाई के लिये कल्पनात्मक सौन्दर्य के ज्ञान का विकास करने में।

5–बाजार की नवीनतम प्रवृत्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करने में।

6–योजना के निर्माण, संचालन, निर्देश और रख–रखाव में आत्म निर्भरता।

7–नियोजन ढंग से कार्य को विस्थापन करने में।

8–बण्डल के बांधने की विभिन्न विधियों का चुनाव करना।

9–पारस्परिक उद्योगों के विकास को समझना और उसे आत्मसात करना।

10–उपलब्ध साधनों और यन्त्र कलाओं से मूल डिजाइन की रचना करना।

11–आवश्यक सूचना देने के लिये साधारण संचार साधनों की तकनीक का प्रयोग करना।

रोजगार के अवसर–

1–स्वरोजगार एवं मजदूरी रोजगार–

निम्नलिखित व्यवसाय स्वरोजगार की श्रेणी में आतें हैं अर्थात् (पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद अपनी इकाइयां लगा सकते हैं), मजदूरी रोजगार अर्थात् (दूसरों के लिये रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं)–

(1) कढ़ाई करने वाला।
(2) कढ़ाई के लिये डिजाइन बनाने वाला।
(3) अभिरुचि कक्षायें चलाना (Hobby Classes)।

2–केवल मजदूरी रोजगार (Wage Employment)&

(1) संग्रहालय सहायक (टेक्सटाइल अनुभाग या कढ़ाई अनुभाग)।
(2) निर्देश (कार्यानुभव के लिये/स्कूलों में हैण्ड इम्ब्राइडरी)।

इस पाठ्यक्रम की सफलता हेतु एक शिक्षक/प्रशिक्षण की आवश्यकता हो सकती है।

पाठ्यक्रम–

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा–

	पूर्णांक		**उत्तीर्णांक**	
(क) सैद्धान्तिक–				
प्रथम प्रश्न–पत्र	60	300	20	100
द्वितीय प्रश्न–पत्र	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र	60		20	
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक–				
आन्तरिक परीक्षा	200	400		200
बाह्य परीक्षा	200			

टीप–परीक्षार्थियों को लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न–पत्र
(टेक्सटाइल एवं डिजाइन)

1–रंग का प्रभाव, रोड, टिन्ट, टोन रंग की वैल्यू, गर्म एवं ठंडे रंग।	8
2–भारतीय डिजाइन की उत्पत्ति एवं प्रारम्भिक डिजाइन का अध्ययन।	8
3–चिकन एवं अन्य कढ़ाई में प्रयोग किये जाने वाले डिजाइनों से अवगत कराना।	8
4–अन्य कढ़ाई की डिजाइन एवं चिकन वर्क की भिन्नता का अध्ययन।	8

5–लोक कला व आदिवासी लोक कलाओं का परिचय एवं ज्ञान।	10
6–कढ़ाई के डिजाइनों की विशेषता एवं महत्व।	10
7–विभिन्न प्रकार के वस्त्र एवं उन पर की जाने वाली आधुनिक कढ़ाइयां।	8

द्वितीय प्रश्न–पत्र
(इम्ब्राइडरी)

1–कश्मीर का कसीदा–नमदा का डिजाइन, वस्त्र रंग योजना।	6
2–कश्मीर का जायेदार डिजाइन, रंग योजना, वस्त्र स्टिच।	8
3–पैचवर्क कढ़ाई के प्रकार, तकनीकी विशेषता।	6
4–ज्योप्रैटोकल डिजाइन, स्टिच, रंग योजना, विषयवस्तु, वस्त्र।	8
5–कढ़ाई के स्टिच एवं उनका वस्त्र पर प्रयोग।	8
6–भारतीय लोक कला और इस पर आधारित डिजाइनों का अध्ययन।	6
7–चिकन द्वारा बनाये गये वस्त्रों का अध्ययन।	8
8–कढ़ाई करने से पहले की तैयारी एवं सावधानी।	4
9–कढ़ाई करने के बाद वस्त्र की धुलाई एवं देखभाल का ज्ञान।	6

तृतीय प्रश्न–पत्र
(हैण्ड इम्ब्राइडरी व चिकन वर्क)

1–चिकन कढ़ाई की प्रमुख कसीदाकारी।	8
2–चिकन कढ़ाई के लिये उपकरण का ज्ञान एवं उसकी मरम्मत तथा सावधानियां।	6
3–चिकन कढ़ाई में प्रयोग होने वाले सामग्रियों का विस्तृत अध्ययन।	6
4–चिकन कढ़ाई के कसीदाकारों की आर्थिक एवं व्यावसायिक स्थिति का ज्ञान।	6
5–चिकन कढ़ाई के प्रमुख तकनीक का विस्तृत अध्ययन।	8
6–तैयार वस्त्र की फिनिशिंग प्रक्रिया का अध्ययन।	8
7–तैयार वस्त्र का मूल्य निर्धारित करना।	10
8–चिकन कढ़ाई पर अन्य डिजाइनों का प्रभाव एवं परिवर्तनशीलता।	8

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
(एडवांस डिजाइन एवं इम्ब्राइडरी)

1–उत्सव पार्टी के उपयुक्त कढ़े हुये स्पेशल वस्त्रों का अध्ययन, तकनीक डिजाइन, विश्लेषण।	10
2–आकर्षक कढ़ाई के लिये कारीगर की विशेषतायें।	8
3–कढ़ाई के लिऐ धागों की विशेषतायें।	6
4–कढ़ाई का धुलाई में महत्व एवं विधि।	6
5–विभिन्न प्रकार के स्टिच एवं मिले–जुले स्टिच पर आधारित एडवांस कढ़ाई डिजाइन।	10
6–आधुनिक कढ़ाई के डिजाइनों का विश्लेषण एवं महत्व।	10
7–पुराने कढ़े वस्त्रों का आधुनिक फैशन पर प्रभाव।	10

पंचम प्रश्न–पत्र
(इम्ब्राइडरी उद्योग एवं प्रबन्ध)

1–स्वरोजगार करने के लिये व्यक्ति का आन्तरिक एवं वाह्य विकास करना।	6
2–मार्केटिंग मैनेजमेन्ट का विस्तृत अध्ययन।	6
3–इम्ब्राइडरी उद्योग में मार्केटिंग मैनेजमेन्ट की भूमिका।	8
4–इम्ब्राइडरी उद्योग में उत्पादित वस्त्र को बाजार में बेचने में आवश्यक सावधानी का अध्ययन।	8
5–कढ़े हुये वस्त्रों का एक्सपोर्ट करने की विधियों का अध्ययन करना।	8
6–सफल इम्ब्राइडरी उद्योग लगाने के लिये आवश्यक सुझाव।	8
7–इम्ब्राइडरी के छोटे–छोटे रोजगार की रूपरेखा तैयार करना।	8
8–प्रत्येक रोजगार का अनुमानित बजट तैयार करना।	8

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न–पत्र के सन्दर्भ में–

1–कढ़ाई के डिजाइनों में रंग का प्रभाव दिखाना।

2–डाट्स, लाइन एवं ज्यामितीय आकारों पर आधारित डिजाइन का निर्माण करना।
3–विभिन्न प्रकार के डिजाइन का अवलोकन करना।
4–स्केच करना, फूल पत्तियां, पेड़, मकान, प्राकृतिक दृश्य, पशु–पक्षी आदि की ड्राइंग अभ्यास करना।
5–सभी ड्राइंग से कढ़ाई से डिजाइन का निर्माण करना।
6–लोक कला पर आधारित डिजाइनों का निर्माण करना।
7–डिजाइनों के ऊपर एलबम का निर्माण करना।
8–विभिन्न प्रकार के स्टिच एवं टांकों का अभ्यास करना।

द्वितीय प्रश्न–पत्र के सन्दर्भ में–

1–(1) शीशेदार फुलकारी के लिये डिजाइन का निर्माण।
(2) बनी हुई डिजाइन का कपड़े का प्रयोग।
2–कैनवस कढ़ाई से छोटे कैनवस का निर्माण।
3–नमदा की डिजाइन बनाकर वस्त्र का प्रयोग।
4–सामान्य पैच–वर्क कढ़ाई।
5–मैटी पर डिजाइन व कढ़ाई का कार्य।
6–विभिन्न प्रकार के स्टिच का नमूना तैयार करना।
7–एफ्लीक वर्क, कढ़ाई का प्रयोग।
8–कढ़ाई द्वारा बाल वेसिंग का निर्माण करना।
9–संयोजित कढ़ाई द्वारा आकर्षक वस्त्रों का निर्माण करना।

तृतीय प्रश्न–पत्र के सन्दर्भ में–

1–उल्टी बखिया शेडो वर्क, जाली के द्वारा कुर्ते या नाइटी और चिकन कढ़ाई करना।
2–साड़ी के लिये पारम्परिक चिकन की कढ़ाई करना, पेजली या अन्य डिजाइन का प्रयोग।
3–सीधी बखिया द्वारा कुर्ते की डिजाइनदार चिकन कढ़ाई।
4–टेबुल मैट्स पर चिकन कढ़ाई करना।
5–मुर्री वर्क से लेडीज कुर्ते की डिजाइन करना।
6–साड़ी पर कामदानी चिकन का प्रयोग।
7–लेडीज सूट पर कामदानी चिकन का प्रयोग।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र के सन्दर्भ में–

1–एप्लीक वर्क की कढ़ाई का डिजाइन निर्माण करना (पेपर कोलार्ज वर्क)।
2–शादी–विवाह के लिये कढ़ाई की डिजाइन का निर्माण कर प्रस्तुत करना।
3–एडवांस डिजाइनों का संग्रह करना एवं उस पर आधारित डिजाइनों का निर्माण करना।
4–माडल पर कढ़ाई के वस्त्रों को डिस्प्ले करना।
5–कढ़े हुये कपड़ों की प्रदर्शनी करना।
6–एडवांस डिजाइन को पेपर कोलाज द्वारा डिस्प्ले करना।
7–आधुनिक कढ़ाई के फैशन डिजाइनों का मैगजीन कटिंग कलेक्शन कर एलबम तैयार करना।
8–पुराने डिजाइन और आधुनिक कढ़ाई डिजाइन का अन्तर डिजाइनों द्वारा प्रस्तुत करें।

पंचम प्रश्न–पत्र के सन्दर्भ में–

1–पंजाबी कटे हुये वस्त्रों की पोर्ट फोलियो तैयार करना।
2–कश्मीर के प्रमुख डिजाइनों का पोर्ट फोलियो तैयार करना।
3–कश्मीरी कसीदा का पोर्ट फोलियो तैयार करना।
4–भारतीय कढ़े हुये कारपेट की डिजाइन का पोर्ट फोलियो तैयार करना।
5–कढ़े हुये बॉल हैंगिंग की डिजाइन की फाइल तैयार करना।
6–विभिन्न प्रकार के कसीदा डिजाइनकारों से बात करके डिजाइनिंग रिपोर्ट तैयार करना।
7–कसीदाकारों से मिलकर विशेष तकनीक का अध्ययन करना एवं रिपोर्ट तैयार करना।
8–(क) उद्योग में ले जाकर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना।
(ख) बनाई गयी वस्तुओं की बिक्री प्रदर्शन आयोजित करना।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम
प्रयोगात्मक परीक्षा की रूपरेखा

इम्ब्राइडरी विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा का विभाजन निम्नवत् होगा–

आन्तरिक मूल्यांकन	200 अंक
वाह्य परीक्षक मूल्यांकन	200 अंक
	400 अंक

बाह्य परीक्षा की रूपरेखा–

नोट–समय 10 घंटा दो दिनों में (लघु प्रयोग दो दिये जांय, प्रत्येक का समय 2+2=4 घण्टे। दीर्घ प्रयोग एक दिया जाय, प्रयोग का समय 6 घण्टे)।

लघु प्रयोग–

प्रयोग नं0 1	20 अंक	2 घण्टे
प्रयोग नं0 2	20 अंक	2 घण्टे
मौखिक	10 अंक	–
योग ..	50 अंक	

दीर्घ प्रयोग–

प्रयोग नं0 1	130 अंक	6 घण्टे
मौखिक	20 अंक	–
योग ..	150 अंक	
कुल योग ..	200 अंक	

प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक पाना आवश्यक है।

दीर्घ प्रयोग–

1–कढ़ाई के लिये रंगीन डिजाइन निर्माण करना कागज एवं कपड़े पर।
2–डाट्स, लाइन एवं ज्यामितीय आकारों पर आधारित डिजाइन का निर्माण करना एवं कपड़े का प्रयोग।
3–लोक कला पर आधारित डिजाइन की कढ़ाई करना।
4–पारम्परिक कढ़ाई परिधानों पर करना।
5–जरी की कढ़ाई के साथ गोटे की डिजाइन बनाना।
6–सलमा, सितारा, सीप, मोती की कढ़ाई करना।
7–मुकेश की कढ़ाई करना।
8–कैनवस कढ़ाई से छोटे कैनवस बनाना।
9–संयोजित कढ़ाई करना।
10–उल्टी बखिया, गैण्डो वर्क जाली के द्वारा कुर्ता या अन्य वस्त्र पर कढ़ाई करना।
11–दुपट्टा पर पारम्परिक चिकन की कढ़ाई करना।
12–ब्लाउज पर शीशे की सजावटी कढ़ाई करना।
13–एप्लीक वर्क की कढ़ाई दुपट्टा या मेजपोश पर करना।

लघु प्रयोग–

1–कढ़े हुये वस्त्रों की कढ़ाई एवं टांके की पहचान तथा टांका बनाना।
2–कलर स्कीम तैयार करना, कागज और कपड़े पर।
3–गोटा लगाकर वस्त्र पर डिजाइन तैयार करना।
4–चिकन की कढ़ाई के लिये वस्त्र को तैयार करना।
5–चिकन की कढ़ाई के लिये मुर्री, शैडो वर्क की डिजाइन तैयार करना।
6–जरीदार चिकन का नमूना बनाना (छोटा)।
7–कामदार चिकन का छोटा नमूना बनाना।
8–फैन्सी कढ़ाई के डिजाइन का निर्माण कागज पर करना।
9–फैन्सी सलवार सूट की आकर्षक कढ़ाई की डिजाइन का नमूना तैयार करना एवं कढ़ाई के टांकों और रंग को निश्चित करना।
10–माडल पर कढ़ाई के वस्त्र को डिस्प्ले करना।
11–तैयार पोर्ट फोलियो को दिखलाना।

नोट–परीक्षक पाठ्यक्रम से अन्य दीर्घ एवं लघु प्रयोग परीक्षार्थियों को दे सकते हैं।

पुस्तकों की सूची–

(1) Indian Embroidary--Phylls Ackerman.

(2) Phulkari--T. N. Mukarjee.

(3) Indian Embroidary--Victoria Albert Museum.

(4) Himanchal Embroidary--Subhashni Arya.

(5) Phulkari from Bhatinda--Baljit Singh Gill.

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित है–

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोट– उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।